ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

FOR GOD AND COUNTRY

Study Material-2
CLASS – 7

F.M. –15
DATE-05.05.2020

SUBJECT – HINDI LITERATURE
CHAPTER NAME - ईदगाह

ईदगाह

प्रश्न १ सूरज किसको बधाई दे रहा है ? +1

उत्तर . सूरज संसार को ईद की बधाई दे रहा है ।

प्रश्न २. ईदगाह किसे कहते है ? +1

उत्तर. जहाँ एक जगह मिलकर नवाज ईद की पढ़ते है उसको ईदगाह कहते है ।

प्रश्न ३.अमीना का दिल क्यों घबरा रहा था ? +2

उत्तर. हमीद पांच वर्ष का लड़का था ।सबके बच्चे अपने -अपने पिता के साथ घूमने गए थे पर हमीद अकेले गया था ,उसके तो माता -पिता भी नहीं थे ,अमीना ही उसको पाली है उसको देर लग रहा था की वो कही मेले में खो न जाये ।इसलिए अमीना का दिल घबड़ा रहा था ।

प्रश्न ४. लड़कों की प्रसन्नता का कारण क्या था ? +2

उत्तर. लड़कों की प्रसन्नता का कारण ईद था ईद के त्यौहार के दिन था उस दिन वह लोग ईद का मेला देखने जाते है ,तरह -तरह की मिठाईया खाते है ।

प्रश्न ५. अमीना को क्रोध क्यों आया ? +1

उत्तर.अमीना को क्रोध इसलिए आया की वह खिलौना नहीं खरीद कर चीमटा लाता है ।

प्रश्न ६. ईदगाह कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखे । +5

उत्तर. ईदगाह कहानी के लेखक प्रेमचंद जी है इनका पूरा नाम 'मुंशी प्रेमचंद' है ।वह इस कहानी में एक ऐसे बालक के बारे में बताये है पांच साल का है ,उसके माता -पिता कोई नहीं है एक बूढी दादी है जिसका नाम अमीना है वही उसको पाली है । उस बालक का नाम हामिद है ।हामिद बहुत ही शांत और समझदार

लड़का है वह जानता है कि उसके घर की परिस्थिति ठीक नहीं है वह कभी किसी चीज के लिए जींद नहीं करता था ।

ईदगाह के मेले देखने के लिए हामिद बहुत ही उत्साहित था ,अमीना के पास उतने पैसे नहीं थे कि हामिद को दे बचा कर तीन पैसे रखी थी वही उसको देती है ,अमीना हामिद को तो भेज देती है पर वह बहुत ही परेशान हो जाती है कि सभी बच्चे तो अपने पिता के साथ गए है में लड़का कही खो न जाये ।तीन पैसे उसको जो अमीना दी रहती है मिठाई ,खाने के लिए वह उस पैसे से कुछ नहीं खाता है ,उसके मित्र तरह -तरह की चीजे खाते है ,खिलोने खरीदते है ,महमूद सिपाही लेता है,मोहसीन को भिस्ती पसंद आता है नूरे को वकील ।

हामिद फिर भी कुछ नहीं लेता है ,वह अपनी दादी के लिए चीमटा खरीदता है उसके मित्र उसका मजाक उड़ाते है पर हामिद उनको अपने खिलोने के बारे में तरह -तरह के तर्क देकर अपने खिलोने को अच्छा बताता है ,जब वह कीमत लेकर घर पहुँचता तो उस चिमटे को देखकर अमीना गुस्सा हो जाती है ,वह कहती है कि तुमने यह क्यों खरीदा तो कहता है तुम्हारा हाथ रोटी पकाते वक्त जल जाता है न इसलिए मेने यह चीमटा खरीदा ।

उसकी बाते सुनकर हामिद को गले लगा लेती है ,इतनी छोटी उम्र में इतनी समझदारी ।लेखक हमें कहते कि समझ सिर्फ बड़ो में न बल्कि बच्चो में अधिक होती है वह बोलते नहीं है करते है|

प्रश्न६. मुंशी प्रेमचंद का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए? + 3

उत्तर. प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय था और उन्हें नवाब राय भी कहा जाता था। उनका जन्म काशी के निकट लमही नामक ग्राम में 31 जुलाई सन 1880 में हुआ था। वह एक साधारण कायस्थ परिवार के बालक थे और पिता का नाम अजायब राय तथा माता का नाम आनंदी देवी था बहुत ही छोटी आयु से इन्हें मातृ स्नेह से वंचित हो जाना पड़ा और उनकी सौतेली मां का उनके प्रति अच्छा व्यवहार ना था प्रेमचंद की शिक्षा दीक्षा घर पर ही 5 वर्ष से आरंभ हुई और वह मौलवी से उर्दू फारसी पढ़ते रहें।

Sonia Gupta